International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
ISSN -2393-8048, July-December 2021, Submitted in September 2021, iajesm2014@gmail.com

# आधुनिक शिक्षा में हिंदी का महत्व

Dr. Pushpa Antil, Associate Professor, Government College For Girls, Gurugram (Haryana)
Email-pushpaantil27@gmail.com

मातृभूमि की वायु से श्वास , जल से लहू , अन्न से जीवन व शक्ति मिलती है तो मातृभाषा से हमें वाणी प्राप्त होती है। जो मनुष्य अपनी मातृभाषा को छोडकर दूसरी भाषा को अपनाता है। वह उतना उपराध का भागी होता है जितना अपनी माँ को बेसहारा, निर्धन और असहाय छोडकर जाने वाला व्यक्ति। उन्नति के इसी मूल मंत्र को पहचानते हुए रूम ,चीन, जापान, व अमेरिका सभी ने अपनी भाषाओ के बल पर ही हर क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया है। भूमंडलीकरण की प्रक्रिया में भाषा का विकास प्रयोग को दृष्टि से संख्याबल पर आधारित है और हिंदी का प्रयोक्ता का संख्या बल तो सर्वविदित ही है। यह सौ करोड से भी अधिक लोगों की भाषा है। यह सबसे बडे लोकतंत्र की भाषा है।

भाषा भारतीय की पहचान है और इसके साथ ही यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों के लिए भी उपयोगी है। हमारी भाषा बहुत सरल और लचीली है, जिसे हर व्यक्ति समझ सकता है। हिंदी भाषा का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पारम्परिक, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के लिए भी बहुत सारे महत्व है, इसलिए आज पूरा विश्व हमारी भाषा को समझने की कोशिश कर रहा है।

शिक्षा की शुरुआत हमारे जन्म के बाद से ही शुरू हो जाती है, जहाँ हमारे माता-पिता हमें व्यवहारिक शिक्षा देते है, यह शिक्षा की सबसे प्रथम सीढी होती है, इसके बाद शिक्षा का अगला स्तर जिसमें हम स्कूल, कॉलेज में पढना- लिखना सीखते हैं और बहुत सारा ज्ञान अर्जित करते हैं, जो हमें शिक्षित अथवा साक्षर बनाता है।

मनुष्य के जीवन में जितना महत्त्व भोजन, कपड़े, हवा और पानी का है, उससे कही अधिक महत्त्व शिक्षा का है। इसीलिए हमेशा ये ही कहा जाता है कि शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार होता है। इंसान की बुद्धि का विकास भी शिक्षा अर्जित करने से ही होता है। केवल शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम से जिससे मनुष्य अपने दिमाग का पूर्ण विकास कर सकता है।

वर्तमान युग में शिक्षा का महत्त्व बहुत आगे बढ़ गया है और लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अब अगर हम अपना भविष्य बेहतर और उज्ज्वल बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए शिक्षा प्राप्त करना बहुत ही ज़रूरी है। शिक्षा के बिना हम अपने जीवन में कुछ भी अच्छा प्राप्त नहीं कर सकते हैं। यदि हम अपने जीवन में कुछ अच्छा और बड़ा करना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें शिक्षित होना होगा। जो व्यक्ति उच्च शिक्षा ग्रहण करता है, उस व्यक्ति का स्तर अपने परिवार, दोस्तों और समाज के सामने हमेशा ऊंचा रहता है। उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों की पहचान अपने आप ही अलग बनती चली जाती है।

**शिक्षा का बदलता रूप**

आज पूरी दुनिया में चीज़ें इतनी आधुनिक होती जा रही हैं कि जिन्हें सिर्फ शिक्षा के दम पर ही समझा जा सकता है। तकनीक से जुड़ी चीज़ों को सीखने और समझने के लिए शिक्षा की भूमिका सबसे अहम है। जैसे-जैसे समय बदलता जा रहा है उसके साथ शिक्षा का तंत्र भी पूरी तरह से बदल रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ट्यूशन में होने वाली पढ़ाई अब मोबाइल पर ऑनलाइन क्लास के रूप में हो रही है। अब हम पढ़ाई करने के साथ-साथ अपनी आय के स्रोत भी तलाश सकते हैं। विश्व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इतना आगे बढ़ चुका है कि अब हम अपने मोबाइल, टेबलेट, लेपटॉप, कम्प्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से भी बिना किसी रुकावट के आसानी से पढ़ाई कर सकते है

अगर हम शिक्षा के क्षैत्र में हिंदी भाषा के महत्व को देखे तो हिंदी आज पूरी दुनिया में 175 से भी अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है और बड़े स्तर पर हिंदी भाषा में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तके लिखी जा रही है। इसके अलावा हिंदी अब इंटरनेट की दुनिया में भी बहुत चुकी है, मतलब आज ऑनलाइन प्लेटफोर्म पर भी हिंदी कंटेट मिल रहा हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी भाषा के अनेक महत्व मिलते हैं, जैसे –

- हिंदी में शिक्षा को हासिल करना आसान है।
- इसके कई संस्कृति राज़ सीखने को मिलते हैं।
- इसका उपयोग वैज्ञानिक खोज़ में भी किया जाता है।

- हिंदी भाषा पारंपरिक ज्ञान, प्राचीनतम सभ्यता ज्ञान और आधुनिक विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यक भाषा हैं।
- हिंदी संस्कृत का एक सरल रूप है, जिसके द्वारा हम ऐतिहासिक रहस्यों को पढ़ सकते है और एक अनोखी खोज की जा सकती हैं।
- वर्तमान में हिंदी भाषा विश्व की प्रभावी भाषा बन चुकी है, विदेशी लोग भी इसे पढ़ रहे हैं, ताकि वे आधुनिक प्रगति कर सके, इसलिए हमें भी हिंदी भाषा में निपुण बनना होगा।
- इस भाषा का इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, जिसे जानना हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है।
- हिंदी भाषा में शिक्षित होना बहुत आवश्यक है, और इसके लिए हिंदी को शिक्षा में लाना बहुत आवश्यक हैं।

हिंदी हमारे संस्कारो की भाषा है, मातृभाषा होने के कारण यह हमें स्नेंह, ममता, प्रेम, करूणा और बंधुत्व सिखाती है।जनतांत्रिक आधार पर हिंदी विश्व भाषा है। क्योकि उसके बोलने – समझने वालों की संख्या संसार में तीसरी है। एशियाई भाषाओं से अधिक एशिया की प्रतिनिधि भाषा है।

**नई शिक्षा नीति और हिंदी भाषा को उपयोगिता –**

नई शिक्षा नीति में जिस तरह से प्राथमिक तौर पर मातृभषा के प्रभाव को समायोजिता करते हुए हिंदी भाषा के महत्व को भी समायोजित करते हुए हिंदी भाषा के महत्व को भी समायोजित करते हुए हिंदी भाषा के महत्व को भी सम्मिलत किया है वह हिंदी भाषा के प्रभुत्व को स्थपित करते हुए भविष्य में हिंदी युग की स्थापना का कारण बनेगा।

## निष्कर्ष :

आधुनिक युग में **शिक्षा का महत्व** उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना एक पौधे को फलदार पेड़ बनाने के लिए मिट्टी और पानी का महत्व होता है। शिक्षा हमारे ज्ञान, कौशल के साथ हमारे व्यक्तित्व में भी सुधार करती है। हिंदी युग का आरभ तभी माना जाएगा जब बाजार हिंदी भाषा सहित भारतीय भाषाओं को देखें तो चीन में जहॉं चाइनीज भाषा को स्थानीय बाजार में अपना रखा है वही वे अपना कार्यव्यहवार चाइनीज भाषा में करते है। उनका सांस्कृतिक ढांचा भी सुरक्षित है और भाषा का महत्व भी स्थापित है। ऐसे ही भारतीय बाजार को हिंदी को स्वीकारना होगा,क्योकि भारत भी विश्व का दूसरा बडा बाजार है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में हिंदी का पर्याप्त प्रचार एवं बाजार आधारित शिक्षा व्यवस्था की अनुपालना अनिवार्य रूप से होनी चाहिए, इसी के सहारे भारत का लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक विकास संभव है।

**सन्दर्भ :**

1 राजभाषा विविध:डॉ.माणिक मृगेश।
2 हिन्दी भाषा अतीत से आज तक:डॉ.विजय अग्रवाल।
3 भाषा विज्ञान:डॉ भोलनाथ तिवारी।
4 डॉ गणपति चन्द्र गुप्ता हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास।